

Intro:

repeat 4 times

|-----5---3---2---3---0-----|
|-----0---0---0---0---0---3---/5---0-----|
-----0---0---0---0---0---0---0---2-----
-----0---0---0---0---2-0---
--0-----

|-----2-----2h3p2-----|
|-----0-----0-----3/5-----0-----0-----|
|-----2---2-----4\2---(0)*-----|
|--2---2---4p2-----5p4-4-5---4p2-4-----|
--2---2-----0h2--

*only the fourth time

repeat 4 times...

...then end with:

|-----0h2---3p2-0--|
-----3-----0-----	-----0-----0-----
-----2---2-----2-----0---0-0---3\4-0---0-0-----	-----0---0---0-----
-----2---2---2--2---2-4-2\4/-2-2---4\5-2\4-4-2-----	-----2-----
-1-----0-----0h2p0--	-1/2-----
-----/3-----	-----

verse: play 2 times

1st verse:

"come into this night

here we'll be gone

|-----0-----0-----|(1)
|-----0--0h3---0-----0--0h3---0-----|
|-----0---0---0-----0---0---0-----|
|-----2-----4--4-----2--2---2-----4--4-----2--2---|
|--0h2-----3--2---0h2-----3--2---|
|--0-----0-----|

so far away

from our weak and crumbling lies

|-----0-----|(2)
|-----0--0h3---0-----|
|-----0---0---0-----0---0---0-----|
|-----2-----4--4-----2--2---2---2---2---0-----|
|--0h2-----3--2---0---2---3---/5-----|
|--0-----|

1st ending:

--0--

come into this night
 when days are gone
 lost and astray
 in what's vanished from your eyes"

2nd ending:

|-----5-----|
 |-----0--0-----|
 |-----0-----0-----|
 |-----2/4-----4-----|
 |-----0-----0-----|
 |--0-----|

chorus:

"what came and distorted your sight

|-----5-----|
 |-----0--0-----|
 |--0--0--0--0-----0--0-----|
 |--2--2--2--2-----2/4-----4-----|
 |-----0--3--3-2--0--0-----|
 |--0--3-----|

saw you benighted by your fright"

--0--0--0--0-----
--2--2--2--2-----
-----0--3--3-2-----
--0--3-----restart with verse riff-----

2nd verse:(same structure than 1st verse)

"come into this night (1)
 your plight alone
 carry your weight (2) + 1st ending
 you are flawed as all of us
 come into this night (1)
 your only home
 it's never too late (2) + 2nd ending
 to repent, suffer the loss"

chorus

1st solo:

1.
--2h3p2-0-2-0-0-2-3-5-7-----5-----3-----
-----0--0--0--1--1--1--1-----0--0--0--0--

-----0--0--0--2--2--2--2--0--2--0--0--0--0--

```

----|
|-----2-----2-----2-----2-----4-----4-----4-----
4----|
|-----3-----2-----0-----0-----0-----3-----0-----2-----2-----2-----
--2--|
|-----0-----3-----0-----
----|

```

2.3.

```

|-----0-2-3-/7-----5-----3-----|
|-----0-----0-----0-----0--1-----etc...-----|
|-----0-----0-----0-----0--2-----|
|-----2-----|
|--0h2-----0-----|
|-----|

```

2nd solo with 2 clean electric guitar & with verse riff

1st gtr

```

|-----5--2/3-----7p0-----0-----|
|--3/5-----3p1-----|
|-----4\2--2/4-----7/9-----|
|-----|
|-----|
|-----|

```

2nd gtr

```

|-----|
|-----3/5-----8-8h10-8h10---7h8p7-----|
|-----7h9-----9-----|
|-----|
|-----|
|-----|

```

2nd gtr

```

|-----13h14-13-----|
|--8p7-8h10-8p7-----10p8-7-----|
|-----9-7-----9/11-11h12p11-7h9p7h9p7-----|
|-----5h7p5-4-----|
|-----|
|-----|

```

```

|--12-----b--b-----|
|-----12--13--10--5h7-5h7-5-----7/10-|
|-----7h9-----7-9---7h9p7-----|
|-----9-7-----|
|-----10p9p7--5/7-----|
|-----|

```

```

|-----|
|--10p7--10-7/5-----|
|--9-----9-----7-7h9p7-----9-9-----9--7h9-----|
|-----7-/9--7-7-----9--9-9--9p7-9p7-----9/10--|
|-----10p7-----|

```

|-----|

chorus

3rd verse: (still same structure)

"come into this night
when you're able
to undo your deeds
and atone with your lonely soul
once you're into this night
all minds are stable
forget all your needs
lose the grip of all control"

repeat this 4 times...:

|-----0-----0-0--|
|---0---0---0---0-----0---|
|--0--0--0--0h2-0---2/4-----0)---0)-----|
|-----4--2-----2---(2-----|
|-0-----5---3-----|
|-----1-----|

before ending this way:

|-----|
|-----0 let ring-----|
|-----0-----|
|-----2-----|
|---2-----|
|--0-----|

| ...another gtr ends:

|-----2p0-----*--|
|-----0-----12--|
|-----0-----0-----12--|
-----4p0-2---4p0-----
-----0-----

AKORTR